श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 32, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज सोमवार, 7 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

कांग्रेस में बदलाव की बात करने वालों पर हाईकमान सख्त

राज बब्बर व जितिन हुए चुनावी समितियों से बाहर

संजय मिश्र, नई दिल्ली। कांग्रेस में बदलाव के साथ अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने की मांग के पक्ष में पत्र लिखने वाले 23 नेताओं पर पार्टी हाईकमान के तेवर ढीले पड़ने के कोई संकेत नहीं हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की घोषित समितियों में पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद और राज बब्बर को जगह नहीं दिया जाना इसका साफ सबूत है। चुनाव से जुड़ी सात अहम समितियों का कांग्रेस ने रविवार को एलान किया मगर इसमें से किसी में भी जितिन और राजबब्बर को नहीं रखा गया है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की राजनीतिक का संचालन पूरी तरह पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के हाथों में है। जाहिर तौर पर चुनाव से जुड़ी किसी समिति की अगुआई का मौका देना तो दूर जितिन और बब्बर को बतौर सदस्य भी नहीं रखा जाना सीधे हाईकमान की नाराजगी को दशार्ता है। जबकि पत्र विवाद आने से पूर्व तक जितिन प्रसाद उत्तरप्रदेश में कांग्रेस महासचिव के भरोसेमंद चेहरों में शामिल रहे थे। सूबे में ब्राह्मण समुदाय को पार्टी से जोड़ने की रणनीति को आगे बढ़ाने का जिम्मा भी उन्हीं पर था। हालांकि पत्र विवाद सामने आने के बाद हाईकमान के रुख को देखते हुए जितिन प्रसाद ने स्पष्टीकरण भी दिया था कि पार्टी में सुधार की उनकी बातों को कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व और गांधी परिवार के खिलाफ नहीं देखा जाना चाहिए।

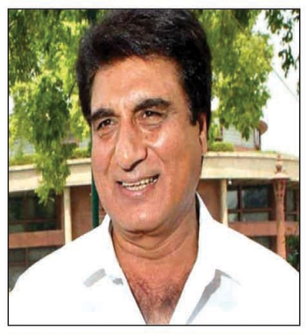

कांग्रेस में बदलाव और सुधार के पक्ष में पत्र लिखने वाले नेताओं को कोई जगह नहीं

इससे पूर्व लोकसभा और राज्यसभा में पार्टी के संसदीय दल के पदाधिकारियों की नियुक्ति में भी हाईकमान ने उन नेताओं को कोई जगह नहीं दी जिन्होंने सोनिया गांधी को पत्र लिख कर कांग्रेस संगठन में बदलाव और अध्यक्ष, कार्यसमिति से लेकर जिला स्तर तक के चुनाव कराने व संसदीय बोर्ड के गठन की मांग की थी। लोकसभा में मनीष तिवारी जैसे मुखर नेता की अनदेखी कर गौरव गोगोई को कांग्रेस संसदीय दल का उपनेता तो रवनीत सिंह बिट्टू को व्हिप नियुक्त कर दिया था। इसी तरह जयराम रमेश को राज्यसभा में चीफ व्हिप बनाया गया।

उत्तरप्रदेश कांग्रेस की चुनावी टीम का हिस्सा बनने में जितिन की यह सफाई काम नहीं आयी है। जबकि हाईकमान ने जितिन और बब्बर को बाहर करने के साथ गुलाम नबी आजाद से लेकर आनंद शर्मा के खिलाफ मुखर बयान देने वाले प्रदेश के वरिष्ठ नेता निर्मल खत्री को चुनावी टीम में जगह देकर यह संदेश दे दिया है कि शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ किसी तरह के विरोध का स्वर बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

FATF की बैठक से पहले पाक की एक और नई चाल

आतंकी सरगना सलाहुद्दीन को माना ISI अफसर

नई दिल्ली, आइएएनएस। एफएटीएफ की बैठक से ऐन पहले पाकिस्तान खुद अपना पैर कुल्हाड़ी पर मार रहा है। इस बार उसने आतंकी सरगना सैयद सलाहुद्दीन के खुफिया संगठन आइएसआइ के लिए काम करना स्वीकार किया है। हिजबुल मुजाहिदीन के सरगना के लिए यह बात खुद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने स्वीकार की है। पाकिस्तानी इससे पहले आतंकी सरगना दाऊद इब्राहीम के पाकिस्तान में होने की सच्चाई स्वीकार कर चुका है।

भारतीय एजेंसियों के हाथों में वह दस्तावेज आ गया है जिसमें आइएसआइ ने खुद माना है कि सैयद मुहम्मद यूसुफ शाह (सैयद सलाहुद्दीन) आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन का अमीर है। यह संगठन आइएसआइ के साथ मिलकर काम करता है और सलाहुद्दीन आइएसआइ का ही अधिकारी है।

इस दस्तावेज से यह बात साबित हो रही है कि पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी आतंकियों के साथ मिलकर काम करती है। यह दस्तावेज पाकिस्तान के खुफिया मामलों के निदेशालय, इस्लामाबाद के डायरेक्टर कमांडिंग वजाहत अली

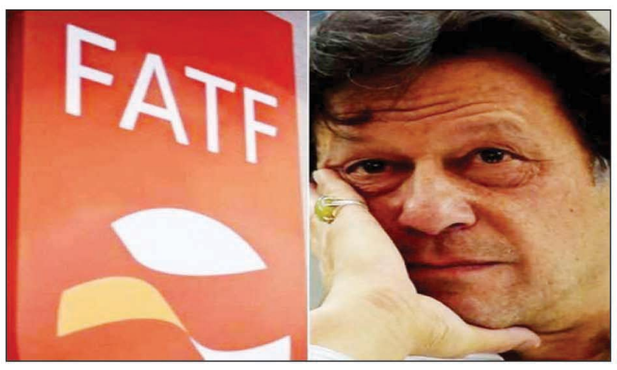

खान ने 20 सितंबर, 2019 को जारी किया है और यह 31 दिसंबर, 2020 तक वैध है। यह दस्तावेज सैयद सलाहुद्दीन के नाम से जारी हुआ है, जिसमें कहा गया है कि सलाहुद्दीन और उसकी टोयोटा लैंड क्रूजर गाड़ी संख्या आइडीएल 5577 को कहीं पर अनावश्यक रूप से नहीं रोका जाए।

भारत इस दस्तावेज को एफएटीएफ (फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स) की अक्टूबर में पेरिस में होने वाली बैठक में पेश कर सकता है और पाकिस्तान को ब्लैक लिस्ट में डालने की मांग कर सकता है। बता सकता है कि पाकिस्तान में सरकार और आतंकियों का रिश्ता बदस्तूर जारी है, दोनों पड़ोसी देशों को आतंकवादी गतिविधियों से परेशान करने के लिए मिलकर काम कर रहे है। बीते ढाई साल से ग्रे लिस्ट में पड़ा पाकिस्तान ब्लैक लिस्ट में डाले जाने से बचने की लगातार कोशिश कर रहा है। भारत के पास वे दस्तावेज भी मौजूद हैं जिनसे पता चलता है कि दुनिया भर में वांछित आतंकियों को पाकिस्तान में किस तरह से वैध वाहन पास और उच्च सुरक्षा क्षेत्र में जाने की अनुमति दी जाती है।

रिया चक्रवर्ती गिरफ्तारी के लिए तैयार, कोर्ट में दायर नहीं की अग्रिम जमानत

मुंबई, एएनआइ। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में रिया चक्रवर्ती आज नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के सामने पेश हो रही हैं। वह आज ड्रग मामले से जुड़े एनसीबी के सवालों का जवाब देंगी। सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में चल रही जांच के बीच अब रिया की गिरफ्तारी की भी आशंका जताई जा रही है। इस बीच आई एक जानकारी के मुताबिक रिया चक्रवर्ती गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं, उन्होंने किसी भी कोर्ट में अग्रिम जमानत दायर नहीं की है। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे ने कहा है कि वह (रिया चक्रवर्ती) गिरफ्तारी के लिए तैयार है। उन्होंने साथ ही कहा कि इस मामले में फिलहाल विच हंट चल रहा है।

रिया चक्रवर्ती के वकील सतीश मानशिंदे ने एक बयान में कहा, 'रिया

चक्रवर्ती गिरफ्तारी के लिए तैयार है क्योंकि यह एक विच हंट जैसा है। रिया के वकील ने आगे कहा है कि अगर किसी से प्यार करना गुनाह है तो उसे अपने प्यार करने की सजा का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने जानकारी दी कि निर्दोष होने के नाते उसने बिहार में सीबीआई, ईडी, और एनसीबी के साथ पुलिस से जुड़े सभी मामलों में अग्रिम जमानत के लिए किसी अदालत से संपर्क नहीं किया है। इससे पहले सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले की जांच में शामिल होने के लिए रविवार सुबह नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा चक्रवर्ती को तलब किया गया था। अब इस मामले में रिया से सवाल-जवाब कर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो सच का पता लगाने की कोशिश करेगी।

बता दें कि 19 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई से अभिनेता की मौत से जुड़े मामले की जांच करने को कहा था, जबकि पटना में दर्ज एफआईआर वैध थी। एजेंसी ने पटना से मामले में जांच स्थानांतरित करने की बिहार सरकार की सिफारिश को स्वीकार करने के बाद अभिनेता की मौत के सिलसिले में चक्रवर्ती और अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 31 जुलाई को राजपूत के पिता केके सिंह द्वारा 28 जुलाई को बिहार में रिया चक्रवर्ती के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दायर करने के बाद दिवंगत अभिनेता की मौत के मामले में प्रवर्तन मामले की सूचना रिपोर्ट दर्ज की थी।

कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट, जानिए देश में आज क्या हैं पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली, बिजनेस डेस्क। कच्चे तेल की कीमतों में रविवार को गिरावट देखने को मिल रही है। क्रूड ऑयल डबल्यूटीआई का फ्यूचर भाव रविवार सुबह 4.52 फीसद या 1.87 डॉलर की गिरावट के साथ 39.50 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा था। वहीं, ब्रेंट ऑयल का फ्यूचर भाव इस समय 3.93 फीसद या 1.73 डॉलर की गिरावट के साथ 42.34 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड करता दिखा। कच्चे तेल में गिरावट के बावजूद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। आइए जानते हैं कि रविवार को देश में पेट्रोल-डीजल क्या भाव बिक रहा है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में रविवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल रविवार को 82.08 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 73.27 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की बात करें, तो यहां भी रविवार को पेट्रोल 88.73 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 79.81 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना रहा। वहीं, चेन्नई में रविवार को पेट्रोल 85.04 और डीजल 78.58 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। राष्ट्रीय राजधानी से सटे शहरों की बात करें, तो रविवार को नोएडा में पेट्रोल 82.36 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 73.59 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं, गुरुग्राम में रविवार को पेट्रोल 80.23 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 73.74 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। कोलकाता की बात करें, तो यहां रविवार को पेट्रोल 83.57 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है और डीजल 76.77 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। वहीं, बिहार की राजधानी पटना की बात करें, तो यहां रविवार को पेट्रोल 84.64 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 78.47 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को पेट्रोल 82.26 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 73.49 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

नीरव मोदी के प्रत्यर्पण पर ब्रिटिश कोर्ट में आज से होगी सुनवाई, जेल की कोठरी से होगी घोटालेबाज की पेशी

लंदन, प्रेट्र। भारत में बैंक घोटाला कर भागे हीरा कारोबारी नीरव मोदी के प्रत्यर्पण मामले में सोमवार को फिर से ब्रिटिश कोर्ट में सुनवाई होगी। मार्च 2019 से लंदन की जेल में बंद मोदी की वहीं से वीडियो लिंक के जरिये कोर्ट में पेशी होगी, जबकि उसके वकील न्यायाधीश के सामने मामले की पैरवी करेंगे। 49 वर्षीय नीरव मोदी अपने मामा मेहुल चोकसी के साथ पंजाब नेशनल बैंक में 12 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का घोटाला कर भारत से भाग गया था। मोदी तो पकड़ में आ गया है लेकिन

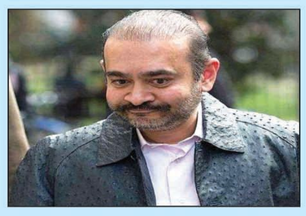

चोकसी अभी सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त से बाहर है। भारत सरकार ने बैंक घोटाले और अवैध तरीके से देश से बाहर धन भेजने (मनी लांड्रिंग) के मामले में मोदी के प्रत्यर्पण की मांग की है। लंदन की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में भारत सरकार नए तर्क रखकर मोदी की हिरासत दिए जाने की मांग करेगी।

कोरोना वायरस से बचाव के नियमों के चलते जिला जज सैम्युएल गूजी ने वैंड्सवर्थ जेल की कोठरी से ही मोदी की वीडियो लिंक के जरिये कोर्ट में पेशी का आदेश दिया है। उससे जुड़े मामले को पांच दिन की लगातार सुनवाई के बाद शुक्रवार को पूरा कर लिया जाएगा। जस्टिस गूजी ने ही मई में हुई मामले की सुनवाई में कोर्ट की बेंच की अध्यक्षता की थी। उसमें मोदी पर लगे धोखाधड़ी और मनी लांड्रिंग के आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया गया था। सोमवार से होने वाली सुनवाई में भारत सरकार द्वारा पेश किए जाने वाले सुबूतों पर बहस होगी और कोर्ट उन पर फैसला लेगी। वहीं, दूसरी ओर पूंजी बाजार नियामक सेबी ने गीतांजलि जेम्स, उसके एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर धनेश सेठ तथा भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी के बैंक एवं डीमैट खाते और लॉकर जब्त करने का आदेश दिया है। सेबी ने इन सबसे पांच करोड़ रुपये वसूलने के लिए यह आदेश दिया है। मेहुल चोकसी गीतांजलि जेम्स का प्रमोटर है।

खुशखबरी : छः जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाए जाने का एलान

रेलवे ने 22 मार्च से पैसेंजर ट्रेन मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन कर दिया था बंद

नई दिल्ली, एएनआइ। अनलॉक-4 के तहत देश में ज्यादातर पब्लिक ट्रांसपोर्ट में ढील दे दी गई है। वहीं, अब भारतीय रेलवे भी धीरे-धीरे ट्रेनों को चलाने की घोषणा कर रहा है। रविवार को पश्चिमी रेलवे (Western Railways) ने 12 सितंबर से अतिरिक्त छह जोड़ी स्पेशल ट्रेनों को चलाए जाने का एलान किया है।

वहीं, दूसरी ओर रेल यात्रा की बढ़ती मांग के चलते भारतीय रेलवे ने 12 सितंबर से 80 और ट्रेनों के संचालन को हरी झंडी पहले ही दे दी है। इन ट्रेनों के लिए रिजर्वेशन की प्रक्रिया 10 सितंबर से चालू हो जाएगी।

यात्रा के लिए रिजर्वेशन जरूरी होगा। ये ट्रेनें पहले से चलाई जा रही 230 स्पेशल ट्रेनों के अलावा होंगी। इसके साथ रेल पटरियों पर दौड़ने वाली स्पेशल ट्रेनों की कुल संख्या 310 हो जाएगी। इसके पहले भारतीय रेलवे की तरफ से कहा गया कि राज्यों की मांग पर और भी ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। राज्य अथवा केंद्रीय सेवा की परीक्षाओं के लिए या ऐसे ही किसी और उद्देश्य के लिए राज्य सरकारों के अनुरोध पर अतिरिक्त ट्रेनों का संचालन किया जा सकता है। रेलवे ने यह भी स्पष्ट किया कि अभी किसी भी श्रेणी में यात्रियों को चादर और कंबल नहीं उपलब्ध कराया जाएगा।

गौरतलब है कि भारतीय रेलवे इस दौरान 230 स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। देश में कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए रेलवे ने 22 मार्च से पैसेंजर ट्रेन, मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया था। प्रवासी मजदूरों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने के लिए रेलवे ने 1 मई से श्रमिक स्पेशल ट्रेनों को शुरू किया। इसके बाद 12 मई से राजधानी स्पेशल ट्रेनें शुरू की गईं। तो 1 जून से 100 जोड़ी और ट्रेनों को चलाया गया। इस तरह अभी 230 ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है।२

एसबीआई लागत में कमी करने के लिए ला रहा है VRS योजना, स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले सकेंगे कर्मचारी

नई दिल्ली, पीटीआइ। देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक ने एक स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना तैयार की है, जिसके लिए बैंक के करीब 30,190 कर्मचारी योग्य हैं। बैंक लागत में कमी करने के उद्देश्य से यह योजना लेकर आ रहा है। एसबीआई में कुल कर्मचारियों की संख्या मार्च 2020 के अंत तक 2.49 लाख थी। यह एक साल पहले 2.57 लाख थी। सूत्रों के अनुसार, वीआरएस के लिए एक मसौदा योजना तैयार की गई है और बोर्ड की मंजूरी का इंतजार है। यह प्रस्तावित योजना नई वीआरएस योजना है, जिसका उद्देश्य मानव संसाधन व लागतों का अनुकूलन करना है। न्यूज एजेंसी पीटीआई द्वारा देखी गई मसौदा योजना के अनुसार, यह योजना अपने करियर में संतृप्ति के स्तर तक पहुंच चुके कर्मचारियों को एक विकल्प और एक सम्मानजनक निकास मार्ग प्रदान करेगा। इसमें ऐसे कर्मचारी हो सकते हैं, जो अपनी परफॉर्मेंस के चरम पर ना हों, या कोई व्यक्तिगत मुद्दा हो या वे बैंक के बाहर अपने पेशेवर या व्यक्तिगत जीवन को आगे बढ़ाना चाहते हों। सूत्रों के अनुसार, यह योजना उन सभी स्थायी अधिकारियों व स्टाफ के लिए है, जिन्होंने सेवा के 25 वर्ष पूरे कर लिये हैं या 55 साल की आयु पूरी कर ली है। यह योजाना एक दिसंबर को खुलेगी और फरवरी के आखिर तक जारी रहेगी। वीआरएस के लिए आवदेन केवल इस अवधि के दौरान ही लिये जाएंगे। प्रस्तावित पात्रता मानदंड के अनुसार, कुल 11,565 अधिकारी और 18,625 कर्मचारी सदस्य योजना के लिए पात्र होंगे। सूत्रों ने बताया कि योजना के तहत अगर 30 फीसद योग्य कर्मचारी रिटायरमेंट को चुनते हैं, तो बैंक को इससे कुल 1,662.86 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह अनुमान जुलाई 2020 के वेतन पर आधारित है।

सूत्रों ने बताया, 'वह स्टाफ सदस्य जिसका विआरएस के तहत रिटायरमेंट का निवेदन स्वीकार किया जाएगा, उसे सेवा की शेष अवधि के लिए वेतन की 50 फीसद राशि अनुग्रह राशि के रूप में प्रदान की जाएगी। इसमें शर्त लागू रहेगी।' वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को ग्रेच्युटी, पेंशन, प्रोविडेंट और मेडिकल बेनिफिट्स जैसे अन्य लाभ भी दिए जाएंगे।

राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना

कहा- जीएसटी टैक्स व्यवस्था फेल, अर्थव्यवस्था पर पड़ी भारी मार

नई दिल्ली, जेएनएन। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जीएसटी को लेकर केंद्र सरकार पर फिर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने रविवार को जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स बताते हुए इसे देश की अर्थव्यवस्था और असंगठित क्षेत्र की बदहाली के लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि त्रुटिपूर्ण जीएसटी टैक्स की नई व्यवस्था से देश की अर्थव्यवस्था के साथ राज्यों की वित्तीय हालत भी डगमगा गई है और यह साफ हो गया है कि यह फेल हो गई है। अर्थव्यवस्था की स्थिति पर अपनी वीडियो श्रृंखला के तहत जीएसटी पर चर्चा करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि जीएसटी यूपीए सरकार का विचार था जिसमें एक टैक्स, कम से कम टैक्स, साधारण और सरल टैक्स की व्यवस्था को शुरू किया जाना था लेकिन एनडीए सरकार की टैक्स व्यवस्था बिल्कुल अलग है। इसमें चार अलग अलग तरह के टैक्स हैं और वो भी 28 फीसद तक...

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि यदि जीएसटी में किसी की पहुंच है तो वह देश के सबसे बड़े 15-20 उद्योगपतियों की है। वे जो भी टैक्स का कानून बदलना चाहते हैं इस जीएसटी व्यवस्था में बदल सकते हैं। जीएसटी से टैक्स संग्रह की बढ़ी चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए राहुल ने कहा कि इसका नतीजा यह है कि आज केंद्र सरकार राज्यों को जीएसटी का पैसा ही नहीं दे पा रही है। इसकी वजह से प्रदेश सरकारें अपने कर्मचारियों और शिक्षकों का वेतन तक नहीं दे पा रही हैं। इससे साफ है कि एनडीए सरकार की जीएसटी व्यवस्था बिल्कुल फेल है। यह व्यवस्था केवल फेल ही नहीं है बल्कि गरीबों, स्मॉल एंड मीडियम बिजनेस के साथ-साथ असंगठित क्षेत्र पर भी हमला है। इससे पहले राहुल ने एक तुकबंदी के जरिए निशाना साधते हुए कहा था कि 12 करोड़ रोजगार गायब, पांच ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था गायब, आम नागरिक की आमदनी गायब, देश की खुशहाली और सुरक्षा गायब, सवाल पूछो तो जवाब गया।'

फ्रैंचाइज रैकेट की जांच केंद्रीय एजेंसियों से कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट से गुहार

नई दिल्ली, पीटीआइ। एक कथित फ्रेंचाइजी रैकेट में कई एजेंसियों से जांच की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। 38 व्यक्तियों द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्हें वेस्टलैंड ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड ने धोखा दिया है, जिसने हाइपर सुपरमार्केट, हाइपर मार्ट आदि के नाम से कंपनियां बनाई थी।

याचिकाकर्ताओं ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और एसएफआइओ (गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय) या विशेष जांच दल द्वारा मनी लांड्रिंग और निदेशकों और लाभार्थि?यों द्वारा काला धन

जमा करने सहित विभिन्न अपराधों की जांच की मांग की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने तीन लाख रुपये की फ्रैंचाइज फीस एकत्र की और कुछ भुगतान का आश्वासन दिया। हालांकि, कंपनी ने लॉकडाउन के दौरान भुगतान नहीं किया। इसने मई में यह कहते हुए एक ईमेल भेजा कि वह अप्रत्याशित परिस्थितियों के चलते अनुबंध को पूरा करने में समर्थ नहीं है। याचिका में कहा गया है कि यह एक बड़ा नुकसान है, क्योंकि सोची-समझी साजिश के तहत निदेशकों ने याचिकाकर्ताओं को धोखा दिया और उनकी मेहनत की कमाई हड़प ली। याचिका में कहा गया है कि कंपनी ने 500 निवेशकों को आकर्षित किया। याचिका के मुताबिक कंपनी लॉकडाउन के दौरान भुगतान कर पाने में नाकाम रही। आरोप है कि कंपनी ने मई में भेजे अपने ई-मेल में कहा कि वह समझौते में उल्लेखित एक विशेष प्रावधान को लागू कर रही है जो अनुबंध को पूरा करने से उसे राहत देता है। याचिका में कहा गया है कि इससे व्यापक नुकसान हुआ क्योंकि एक सुनियोजित साजिश के तहत निदेशकों, साझेदारों और कर्मचारियों ने याचिकाकर्ताओ के साथ धोखाधड़ी की। याचिका में आरोप लगाया गया है कि कंपनी ने बेईमानी कर उन्हें उनकी गाढ़ी कमाई देने के लिए प्रेरित किया। गौरतलब है कि फ्रेंचाइजी धोखाधड़ी के सिलसिले में उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया था। दरअसल, दर्जनों लोगों से कथित तौर पर 30 करोड़ रुपए की ठगी की गई थी।

राजनाथ सिंह की ईरानी रक्षा मंत्री से मुलाकात

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दौरे पर पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल आमिर हातमी से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर चर्चा हुई। राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर मुलाकात को सफल बताया है।

रूस में शंघाई सहयोग संगठन के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के बाद शनिवार को राजनाथ सिंह ईरान पहुंचे थे। मालूम हो कि एससीओ आठ देशों का एक क्षेत्रीय समूह है। भारत और चीन दोनों ही इसके सदस्य हैं। यह संगठन मुख्य रूप से क्षेत्रीय रक्षा और सुरक्षा का ध्यान रखता है। रक्षा मंत्री ने ट्वीट कर कहा, 'तेहरान में ईरानी रक्षा मंत्री ब्रिगेडियर जनरल अमीर हातमी के साथ बहुत सफल बैठक हुई। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर भी चर्चा हुई जिसमें अफगानिस्तान में शांति और स्थिरता बहाल करने का मुद्दा भी शामिल था।

एससीओ की बैठक को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने खाड़ी देशों से आपसी मतभेदों को बातचीत से हल करने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि क्षेत्र के सभी देश भारत के करीबी हैं और वहां बन रही तनाव की स्थिति को लेकर भारत चिंतित है। सभी पक्षों को एक-दूसरे का सम्मान करते हुए बातचीत से हल निकालना चाहिए।

मॉस्को से ईरान के लिए रवाना होने से पहले राजनाथ सिंह ने कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के रक्षा मंत्रियों के साथ भी द्विपक्षीय बैठक की थी। इस दौरान इन देशों के साथ भारत के द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर विमर्श हुआ।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज सोमवार, 7 सितम्बर, 2020

अन्तर्राज्यीय ट्रक लुटेरे गिरफ्तार, ट्रक एवं बीस लाख की सरिया बरामद

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के जलालपुर हाईवे पर ट्रेलर सहित बीस लाख की सरिया लूटकांड का खुलासा हो गया। लूटकांड के सात लुटेरों को पुलिस ने दबोच लिया हैं।20 अगस्त को ट्रेलर पर 31टन सरिया लादकर चालक जैसें ही जलालपुर हाईवे पर एक ढाबे के पास पहुंचा था तभी वाहन पर सवार बदमाशों ने चालक सहित सरिया लदा ट्रक को लूट लिया।बाद में चालक को राय बरेली रास्ते में बेहोशी हालत में फेंक दिया। पुलिस ने लूटकांड का केश दर्ज कर जांच शुरू की थी। थानाध्यक्ष चन्द भूषण मौर्य व एसओजी टीम ने बड़ी चालाकी से लूटेरों के गिरेबान में हाथ डाल जहां सात लूटेरों को नैनी स्थित

सरिया सहित बरामद ट्रक

सोनू फैब्रिकेटर गोदाम से धर दबोचा। वहीं उनके निशानदेही पर नैनी प्रयागराज से सरिया से भरी ट्रेलर को बरामद कर सनसनी खेज लूटकांड का खुलासा किया।पुलिस ने पुलिस ने जांच के दौरान अभियुक्तों के पास से घटना में शामिल टाटा सफारी,4 देसी बम,दो तमंचा,चार कारतूस भी बरामद किए। गिरफ्तार अभियुक्त गण इस्तियाक उर्फ नन्हे पुत्र अब्दुल समद निवासी याहिया पुर थाना कंधई प्रतापगढ़, मोहम्मद कलीम पुत्र

पुलिस की गिरफ्त में अतर्राज्यीय ट्रक लुटेरे

मोहम्मद रफी निवासी कंधई प्रतापगढ़, रोमी उर्फ इरफान पुत्र रियाज अहमद दरियाबाद थाना अतरसुइया, हिमांशु जायसवाल पुत्र दिनेश जायसवाल निवासी सेमरा थाना घूरपुर,मनजीत सिंह पुत्र उमाशंकर सिंह पटेल निवासी हिनौता थाना करछना, अखिलेश कुमार पटेल पुत्र तेज बहादुर पटेल निवासी सिरसा थाना मेजा व मोहम्मद आफताब पुत्र मोहम्मद अख्तर निवासी चक भटाही थाना नैनी को पुलिस ने बहुत ही चालाकी के साथ गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने बताया कि इनके खिलाफ गाड़ी लूट वा चोरी के उड़ीसा इंदौर समेत सूरत में मुकदमा दर्ज हैं जो जेल भी जा चुके है। वही पुलिस ने बताया कि इनके द्वारा सिर्फ अकेले ट्रक ले जा रहे ड्राइवर को निशाना बनाया जाता है। ड्राइवर को बंधक बनाकर माल को ठिकाने लगाने के बाद ही उसको छोड़ ते हैं। गिरफ्तारी टीम में मुख्य रूप से थाना अध्यक्ष चंद्रभूषण मौर्य,उप निरीक्षक अमरनाथ सिंह,सिपाही शिव बचन यादव, प्रहलाद राम, अर्जुन सिंह, संजीत सिंह व एसओजी टीम में प्रभारी उप निरीक्षक मनोज कुमार सिंह, विनोद दुबे, इंद्र प्रताप सिंह, नवीन कुमार राय, सत्येंद्र प्रधान, राजकुमार राय, धनंजय राय, अभय कुमार, विनय कुमार व अभिषेक मिश्रा आदि ने बहुत ही चालाकी के साथ अपराधियों को पकड़ कर जेल की हवा खिला दी।

डिजिटल ई बुक कार्यकर्ताओं के मेहनत की प्रामाणिकता सिद्ध करेगी : गणेश

प्रयागराज। भाजपा कार्यकताओं द्वारा किए गए सेवा कार्यों को लेकर लखनऊ में डिजिटल ई बुक के उद्घाटन का हम सब अभिनंदन करते हैं। क्योंकि डिजिटल ई बुक कार्यकताओं की मेहनत की प्रामाणिकता सिद्ध करेगी। भाजपा ने इसके माध्यम से कार्यकर्ताओ का उत्साहवर्धन ही नहीं बल्कि उनका सम्मान और गौरव बढ़ाने का कार्य किया है, जो आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादाई होगी। उक्त विचार रविवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने भाजपा यमुना पार मंडल द्वारा आयोजित सुभाष चंद्र बोस पूर्व माध्यमिक विद्यालय नुमाया डाई करेहदा में वन विहार कार्यकर्ता मिलन कार्यक्रम में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकताओं के संघर्ष बल पर आज भारतीय जनता पार्टी सिफर से शिखर तक पहुंची है। जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्हीं के बल पर आज भाजपा की सरकार प्रदेश एवं देश में बनी है। जिस उद्देश्य के साथ भाजपा का उदय हुआ था उन उद्देश्यों की पूर्ति हो रही है। कहा कि भाजपा कार्यकताओं ने जिस प्रकार अपनी जान की परवाह न करते हुए लॉकडाउन के अंतर्गत समाज की सेवा की, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है।

कछारी क्षेत्र के किसानों का सपना नहीं हो सका साकार

हनुमानगंज। सन, 2014 में फूलपुर लोकसभा से पहली बार सांसद बने केशव प्रसाद मौर्य ने कछारी क्षेत्र के किसानों कि गंभीर समस्या को लेकर संसद में प्रमुखता से आवाज उठाई थी । जिसमें फूलपुर विधान सभा क्षेत्र के कछारी गाँव के किसानों कि सिंचाई की सुविधा हेतु प्रधानमंत्री कृषी सिंचाई परियोजना के अंतर्गत किसानों के सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराए जाने तथा गंगा नदी के किनारे दोनों तरफ इलाहाबाद पश्चिमी से कछार के लीलापुर गांव तक बाढ़ मुक्ती के लिए तटबंधों के निर्माण कराए जाने को लेकर केन्द्र सरकार से माँग कि थी। जिसपर बिभागिय प्रक्रिया प्रारंभिक रुप से सुरु हो गया था। और जब 2017 में केशव प्रसाद मौर्य प्रदेश के उप मुख्य मंत्री बने तब किसानों कि उम्मीद फिर जगी और कछारी क्षेत्र के किसानों ने यहाँ कि समस्या को लेकर उनसे फिर गुहार लगाई जिसपर एक जनवरी 2018 को लखनऊ से तकनीकी विशेषज्ञों कि टीम भेजकर सोलर पम्प हाउस लगाए जाने का सर्वे किया गया। और आए हुए अधिकारियों ने बताया कि एक सोलर पम्प से लगभग सौ बीघे तक की सिंचाई हो सकती है। उसके बाद से दो वर्ष बीत गया और आजतक किसान बेचारे आस लगाए बैठे हैं। उनकी समस्या आजभी जस की तस बनी हुई है। इसकी फाइल या कहीं लम्बित है। या फिर किसी दफतर में दीमक लग गई होगी।

सिंचाई हेतु सोलर पम्प लगाए जाने को लेकर सर्वे करने पहुँची विभागीय टीम (फाइल फोटो)

सर्वे करने वाली विभागीय टीम के अधिकारी

(1) बी, के मिश्र, मैकेनिकल विभागाध्यक्ष प्रमुख अभियंता यान्त्रिक।
(2) सुनील कुमार, मुख्य अभियंता नलकूप बिभाग।
(3) शरद चंद पंकज,मुख्य अभियंता सारदा सहाय लखनऊ।
(4) पंकज झाँ, अधीक्षण अभियंता लिप्ट विभाग।
(5) सुरेश कुमार पांण्डेय ,अधीक्षण अभियंता नलकूप।
(6) ओम प्रकाश चौबे, अधिशाषी अभियंता नलकूप। तथा विभागिय सभी जेइ सहित क्षेत्र के कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आधा दर्जन प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापक कोरोना पॉजटिव

विद्यालयों को बंद करने की मांग करते अध्यापक

सैदाबाद। सैदाबाद के आधा दर्जन प्राथमिक विद्यालयो के अध्यापक कोरोना पॉजेटिव है। संपर्क मे आने वाले अध्यापको की संख्या बढ़ती जा रही है। अध्यापकों ने कोरोना काल मे विद्यालयों को बंद करने की मांग की है।

क्षेत्र के चकमुज्जमिल, चक सिंकदर, चौदो पारा, सरांय मंसूर, गढ़वा, अमोरा आदि प्राथमिक विद्यालयो के अध्यापक केारोना पॉजेटिव है। जिनके संपर्क मे आने खंडशिक्षाधिकारी भी पॉजेटिव हो गये है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश ने बताया कि शिक्षको के हर सुख दःख मे खंडशिक्षाधिकारी आगे बढ़कर काम करते है। बीते दिनो व ह सभी शिक्षको से स्कूलो मे जाकर मिल रहे थे। जिसके चलते वह भी केारोना पैजेटिव हो गये है। खंडिशिक्षाधिकारी ने बताया कि तबियत खराब होने पर बीते शनिवार के दिन जॉच कराई थी। जिसकी रिर्पोट पौजेटिव आई है। उन्होने संपर्क मे आने वाले सभी अध्यापको से कोरोना की जांच कराने के लिए कहा है।

काम नही तो तनख्वाह नही

अध्यापको ने बताया कि विद्यालयो मे कोई काम नही है। उच्चाधिकारियो से कई बार स्कूल बंद करने की मांग की गई। लेकिन उनका कहना है कि यदि काम नही करना है तो घर बैठे आपको तनख्वाह नही दी जायेगी। शिक्षक एक दूसरे के संपर्क मे आ रहे है जिससे समस्या बढ़ भी सकती है। स्कूलो को सेनेटाइज भी नही किया गया है। अध्यापका जान हथेली पर रखकर बिद्यालयो मे आ रहे है।

वृक्ष एवं पौधों से जुड़ी रोचक जानकारियों का प्रचार -प्रसार कर रहें लक्ष्मी पौधशाला के प्रबंधक राम आसरे

करमा। वृक्ष हमारे जीवन का आधार होते हैं । वृक्ष पर्यावरण प्रदूषण खात्मे के साथ साथ अनेकों बहुमूल्य संपदाये प्रदान करता हैं जिसके बल पर मनुष्य या पर्यावरण के अन्य जीव जंतु जीवित हैं उक्त संबोधन चाका ब्लाक स्थित लक्ष्मी पौधशाला के संचालक राम आसरे पटेल के हैं । शुक्रवार कों अध्यापक दिवस पर श्री पटेल जी के द्वारा यमुनापार के दस शैक्षिक संस्थानों में उत्कृष्ट कार्य करनें वालें गुरुजनों कों निःशुल्क पौधे भेंट किया गया । श्री पटेल नें यह भी बताया कि वह पिछले 28वर्षों से निरन्तर समाज में वृक्षारोपण एवम पेड़ो की महत्ता के विषय में लोगों कों जागरुक कर रहें हैं । श्री पटेल नें यह भी कहा कि वह व्यवसाय के साथ समय -समय पर्यावरण की तंदुरुस्ती हेतु निःशुल्क पौधें भी बांटते आ रहें हैं । बताया जाता हैं कि प्रयागराज ही नही अपितु मिर्जापुर, कौशांबी, फतेहपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, रायबरेली आदि जनपदों में स्थित सबसे बड़ी पौध शालाओं में उनकी ही पौधशाला हैं ।

ट्रक व मिनीभार वाहन की भिड़ंत मे चालक घायल

घूरपुर। घूरपुर इलाके के इरादतगंज हाईवे के ओवर ब्रिज पर ट्रक और मिनिभार वाहन की आमने सामने भिड़ंत हो गई। मिनिभार वाहन चालक लहूलुहान हो बुरी तरह केविन में फंस गया। सूचना पर पहुंची पुलिस आसपास के लोगों की मदद से केविन काट घायल चालक को बाहर निकाल अस्पताल में भर्ती कराया। और ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया।

इरादतगंज ओवर ब्रिज की एक ओर की मार्ग के नीचे मरम्मत का कार्य चल रहा है। जिससे ओवर ब्रिज वन वे हो गई है। रविवार की सायंकाल रीवा की तरफ से पत्थर लाद कर शहर की ओर जा रहा ट्रक और शहर से घूरपुर की तरफ जा रहा मिनिभार वाहन की इरादतगंज ओवर ब्रिज पर पहुंचते ही दोनों की आमने-सामने टक्कर हो गई। मिनिभार वाहन चालक लालापुर निवासी जेपी यादव (50) बुरी तरह घायल हो केविन में बुरी तरह फंस गया। पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से केविन काट बाहर निकाल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया । और ट्रक चालक सहित ट्रक को हिरासत में ले लिया। इस दौरान ओवर ब्रिज पर दोनों ओर वाहनों की कतार लग गई।

घायल चालक को बाहर निकालने का प्रयास करते स्थानीय लोग

युवा समाज समाजसेवी ने कोरोना समाप्ति हेतु करवाये यज्ञ अनुष्ठान

करमा। शिक्षक दिवस के सुअवसर पर युवा समाजसेवी एवम घूरपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह पटेल के नेतृत्व में सेमरा कल्बना स्थित हनुमान मंदिर पर कोरोना की समाप्ति हेतु हवन अनुष्ठान करवाया गया उक्त अवसर पर युवा समाजसेवी श्री सुरेंद्र पटेल नें बताया कि हवन धार्मिक एवम प्राकृतिक दोनों दृष्टि से काफी लाभप्रद होते हैं हवन करवाने से आसपास का पर्यावरण विषैले जीवाणुओं से मुक्त होनें के साथ वायु प्रदूषण में भी हानिकारक बैक्टिरिया का भी खात्मा करतें हैं । श्री पटेल छात्र जीवन से ही लोगों की भलाई हेतु निरंतर समाज में काम कर रहें हैं । व्यापारियों के हितों से लेकर छात्रों के हकों की लड़ाई में अग्रणी रहें हैं । श्री पटेल नें आगे यह भी कहा कि मुझे अच्छे कार्यों एवम लोगों की भलाई के लिए वह अपनें पिता जी कों अपना प्रेरणास्रोत मानते हैं । उक्त अवसर पर व्यापार मंडल अध्यक्ष घूरपुर सुरेन्द्र सिंह पटेल एडवोकेट, सुबोध जायसवाल, जिला कार्यसमिति सदस्य श्री विनीत जी, दिनेश केसरवानी, कार्यवाहक अध्यक्ष व्यापार मंडल इरादतगंज महेंद्र केसरवानी, दीपचंद पटेल, अनुज पटेल, रमन कुशवाहा, अमित मिश्रा, सचिन तिवारी, देवराज पटेल, गोपाल केसरवानी, देवेश तिवारी, राज पटेल इत्यादि गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

विनोद विश्वकर्मा बने पूजा समिति के अध्यक्ष

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का गुरु दक्षिणा उत्सव संपन्न

शंकरगढ़। श्री विश्वकर्मा सेना की एक महत्वपूर्ण बैठक शंकरगढ़ में हुई,जिसमें आगामी 17 सितंबर को होने वाली विश्वकर्मा पूजा की तैयारियों पर सदस्यों ने अपना विचार व्यक्त किया। सभी की सहमति से विनोद विश्वकर्मा (लल्लू) को पूजा समिति का अध्यक्ष बनाया गया। शंकरगढ़ के सिंधी टोला मोहल्ले में रविवार को हुई श्री विश्वकर्मा सेना की बैठक में संगठन की मजबूती पर विचार -विमर्श किया गया। इसके अलावा पूजा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र विश्वकर्मा, विधानसभा बारा अध्यक्ष सतीश विश्वकर्मा, महामंत्री राजकुमार विश्वकर्मा, विनोद विश्वकर्मा, राहुल विश्वकर्मा, हितेंद्र विश्वकर्मा, राघवेंद्र विश्वकर्मा, मुकेश विश्वकर्मा, गुड्डू विश्वकर्मा, अक्षय विश्वकर्मा, कमलेश विश्वकर्मा, मनोज विश्वकर्मा, रवि विश्वकर्मा, उमाशंकर विश्वकर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

गुरु का मतलब अज्ञानता को दूर भगाने वालाः रमेश

सर्वसम्मति से भगवा ध्वज को दी गई गुरु की मान्यता

शंकरगढ़। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की इकाई शंकरगढ़, प्रयागराज में गुरु दक्षिणा उत्सव का आयोजन किया गया।मुख्य वक्ता रमेश केसरवानी (खंड शारीरिक प्रमुख) ने कहा कि गुरु शब्द ₹संस्कृत की ₹गृ₹ धातु से लिया गया है, इसका अर्थ है अज्ञान। इसमें ₹रू₹ प्रत्यय जोड़ देने से संयुक्त शब्द होता है ₹गुरु₹। और गुरु का अर्थ होता अज्ञान को हरने वाला।गुरु, मनुष्य जीवन के विकास में सबसे महत्वपूर्ण स्थान रखता है। किसी भी उपकार के प्रति, कृतज्ञता ज्ञापन करना हिंदू समाज की विशेषता है। गुरुपूर्णिमा पर्व का महत्व, इसी दृष्टि से समझने की आवश्कता है।आषाढ़ मास की पूर्णिमा, हिंदू समाज में गुरु पूर्णिमा या व्यास पूर्णिमा के नाम से प्रसिद्ध है। भारतीय समाज में वैदिक काल के समय से ही गुरु-शिष्य परंपरा विद्यमान रही है। मान्यता है कि बिना गुरु के ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं है। जीवन को सही दृष्टि गुरु के मार्गदर्शन से ही प्राप्त होती है। गुरुजनों के प्रति यह पूज्यभाव हमारी प्रकृति है। आध्यात्मिक विद्या का उपदेश देने और ईश्वर का साक्षात्कार कराने वाले गुरु को अपनी भूमि में साक्षात परम ब्रह्म कहा गया है।

उन्होंने बताया कि संघ की स्थापना 27 सितंबर 1925 ई. को विजयादशमी के दिन हुई थी। स्थापना के साथ संघ में गुरु की खोज की गई तो लोगों की अनेक राय थी। तमाम लोगों के ऊपर मंथन किया गया, पर एक राय नहीं बनी। तब, बहुत सोच-विचारकर भगवा ध्वज को गुरु के रूप में प्रतिष्ठित किया गया। इसके पीछे मूल भाव यह था कि व्यक्ति पतित हो सकता है पर विचार और पावन प्रतीक नहीं। विश्व का सबसे बड़ा स्वयंसेवी संगठन गुरु रूप में इसी भगवा ध्वज को नमन करता है। गुरु पूर्णिमा के दिन संघ के स्वयंसेवक गुरु दक्षिणा के रूप में इसी भगवा ध्वज के समक्ष, राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण व श्रद्धा निवेदित करते हैं। उल्लेखनीय है कि इस भगवा ध्वज को गुरु की मान्यता यूं ही नहीं मिली है। यह ध्वज तपोमय व ज्ञाननिष्ठ भारतीय संस्कृति का सर्वाधिक सशक्त व पुरातन प्रतीक है। उगते हुये सूर्य के समान इसका भगवा रंग भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक ऊर्जा, पराक्रमी परंपरा एवं विजय भाव का सर्वश्रेष्ठ प्रतीक है। संघ ने उसी परम पवित्र भगवा ध्वज को गुरु के प्रतीक रूप में स्वीकार किया है।

बताया कि सभी स्वयंसेवक वर्ष भर में 1 दिन अपने गुरु को दक्षिणा के रूप में अपनी श्रद्धा के अनुसार कुछ राशि परम पवित्र भगवा ध्वज को समर्पित करते हैं। अब आपको यह जानने की उत्सुकता होगी कि इस राशि का उपयोग कहां किया जाता है। तो आपको पहले बता दें कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ कोई भी शुल्क या चंदा किसी भी माध्यम से नहीं लेता। वर्ष में एक बार होने वाले गुरुदक्षिणा की राशि से ही पूरे वर्ष का खर्च चलता है। गुरु दक्षिणा से मिली धनराशि 2900 से ज्यादा प्रचारक, अनाथ बच्चों के पालन-पोषण, आपदा में अग्रणी भूमिका, आदिवासी क्षेत्र में गरीब विद्यार्थियों की पढ़ाई, कपड़े, किताब का व्यय, स्कूलों की स्थापना, संस्कृति की रक्षा जैसे मदों में व्यय होते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता बृजभान सिंह सेवानिवृत्त प्रवक्ता ने की।कहा कि वर्तमान विषम परिस्थिति में आज भी अपना देश भारत सर्वोच्च शिखर पर अडिग खड़ा है, तो इसका सबसे बड़ा श्रेय संस्कृति को जाता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अध्यक्ष नगर पंचायत शंकरगढ़ लल्लू कनौजिया, मूलचन्द्र गुप्ता, नारेंद्र गुप्ता, रामानुज गुप्ता, डॉ प्रेमचंद्र केसरवानी, अभिषेक वैश्य, चन्द्रभान,सुनील केसरवानी,रतन केसरवानी, गुलाब सिंह, मसुरिया दीन वर्मा,अनूप केसरवानी, दीपक नीर, संतोष केसरवानी,संतराम गुप्ता,विनोद जी आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इसीतरह शिवराजपुर शाखा में अनूप त्रिपाठी के नेतृत्व में अवधेश त्रिपाठी ने किया।इसीतरह नारीबारी क्षेत्र के झंझरा पाण्डेय में शाखा कार्यवाह पृथ्वीराज के नेतृत्व में गुरुपूजन सम्पन्न हुआ।बौद्धिक खण्ड कार्यवाह ने किया।ग्रामसभा सतपुरा शाखा में रावेंद्र तिवारी एवं राजेश्वरी पाण्डेय के नेतृत्व में कार्यक्रम सम्पन हुआ।बौद्धिक विजयशंकर शुक्ल ने किया।सीध टिकट मण्डल का कार्यक्रम शिवमंदिर रूम विद्यालय पर हुआ, जहाँ बौद्धिक जिला सह कार्यवाह जितेंद्र बहादुर सिंह ने किया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से सूर्यकांत शुक्ल, सन्तोष कुमार शुक्ल, दिलीप चतुवेर्दी, महेंद्र कुमार शुक्ल, अंजनीलाल, घनश्याम शुक्ल,धर्मराज पाल,आचार्य राजनाथ द्विवेदी सुभाष सिंह आदि लोग रहे।

गुरु दक्षिण उत्सव कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ

संक्षेप समाचार

पार्षदों ने किया रोजगार के लिए युवाओं के आंदोलन का समर्थन

प्रयागराज। सर्वदलीय पार्षद, पूर्व पार्षद संघर्ष समिति एवं नागरिक संघर्ष मोर्चा की बैठक रविवार को सोहबतियाबाग में हुई। इसमें युवाओं द्वारा रोजगार के लिए आंदोलन करने का समर्थन किया गया है। बैठक में उपस्थित लोगों ने इस कदम को देश के भावी कर्णधारों के भविष्य को बचाने के लिए बहुत ही जरूरी बताया है। वहीं शिक्षा सेवा अधिकरण का मुख्यालय को प्रयागराज में बनाने के आश्वासन के बाद भी इसे यहां न बनाने के फैसले की कटु निदा की गई। बैठक में पूर्व वरिष्ठ पार्षद शिव सेवक सिंह, पार्षद आनंद घिल्डियाल, कमलेश सिंह, अशोक सिंह, रंजन कुमार, समाजसेवी अनुराधा, अनंत कुमार चौधरी, सुबोध यादव, डीके साहू, चंद्र प्रकाश गंगा आदि शामिल रहे।

पुलिस विभाग में पुराने तबादलों का क्रियान्वयन कोरोना काल में करना गलत : हाईकोर्ट

यूपी के आधा दर्जन जिलों में पुलिस का कार्यमुक्ति आदेश रद्द

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में पुलिस विभाग के दरोगाओं, हेड कान्सटेबिलों व कान्सटेबिलों के विगत वर्ष एक जनपद से दूसरे जनपद में किए गए तबादलों का क्रियान्वयन कोरोना काल में करने को गलत मानते हुए रद्द कर दिया है।

प्रदेश के आधा दर्जन जिलों मेरठ, गौतमबुद्ध नगर, हापुड, आगरा, वाराणसी व प्रयागराज के पुलिस विभाग कर्मियों ने अलग-अलग याचिका दाखिल कर अपने तबादला व कार्यमुक्त किए जाने के आदशों को चुनौती दी थी। यह आदेश जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता व जस्टिस प्रकाश पाडिया ने अलग-अलग दाखिल दर्जनों याचिकाओं पर पारित किया है। इन याचिकाओं पर बहस कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम का तर्क था कि याचीगण का तबादला एडीजी जोन-आईजी परिक्षेत्र द्वारा वर्ष 2019 में एक जनपद में निर्धारित समय पूर्ण करने या सीमावर्ती जनपद में नियुक्त होने के आधार पर किया था। वर्ष 2019 में किए गए इस स्थानान्तरण के आधार पर सभी याचिका कताओं को जून-जुलाई 2020 में कोरोना महामारी के दौरान सभी सम्बन्धित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों द्वारा कार्यमुक्त होने का आदेश पारित किया गया है। अधिवक्ता का कहना था कि यह आदेश बिना एप्लिकेशन आफ माइन्ड पारित किया गया है तथा बिना यह ध्यान दिए पारित किया गया कि याचीगण के सेवाओं की आवश्यकता है। कहा गया था कि इस प्रकार का पारित आदेश नियम विरुद्ध होने के कारण न्यायसंगत नहीं है। हाईकोर्ट ने यह आदेश यूपी पुलिस में कार्यरत दरोगा, हेड कान्सटेबिल व कान्सटेबिल, शंभूनाथ पाण्डेय, राहुल बंसल, सिन्टू चैधरी, हृदय नारायण पाण्डेय, दलवीर सिंह यादव, अब्दुल गफ्फार, महेश चन्द्र व कई अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा अलग अलग दाखिल दर्जनों याचिकाओं पर पारित किया है। इन सभी याचिकाओं में तबादला आदेशों के साथ-साथ 2020 में जारी कार्यमुक्त आदेशों को भी चुनौती दी गयी थी। अधिवक्ता का कहना था कि एक वर्ष पूर्व पारित तबादला आदेशों के आधार पर 2020 में पुलिस कर्मियों को इस कोरोना महामारी के दौरान कार्यमुक्त करना गलत है। कोर्ट ने आदेश में तबादला आदेशों को निरस्त कर दिया है तथा कहा है कि आगे इन पुलिस कर्मियों का तबादला उनके सेवाओं की आवश्यकता को देखते हुए कानून के तहत नियमानुसार किया जा सकता है।

इविवि के छात्रसंघ भवन पर रविवार को 47वें दिन भी अनशन रहा जारी

प्रयागराज। छात्रनेता अजय यादव सम्राट के नेतृत्व में क्रमिक अनशन 47 में दिन जारी रहा। अनशन के दौरान छात्रसंघ बहाली का मसला फिर तेजी से उठा। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्षों का भी इस माग को समर्थन मिला। सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया कि जल्द ही छात्र महापंचायत बुलाई जाएगी। छात्रसंघ बहाली की माग को पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष सतीश अग्रवाल, विनोद चन्द्र दुबे, इंदु प्रकाश सिंह, अजीत यादव, दिनेश यादव, ऋचा सिंह, अवनीश यादव, आरपीएन सिंह, पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष आदिल हमजा, चंद्रशेखर चौधरी के समर्थन के बाद निवर्तमान छात्रसंघ अध्यक्ष उदय प्रकाश यादव का समर्थन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि छात्रसंघ हमारा अधिकार है और हम इसे लेकर ही रहेंगे। पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह यादव ने भी अनशनस्थल पर फोन किया और छात्रसंघ बहाली की माग को जायज बताया। इस मौके पर सुशील कुशवाहा, सुनील पटेल, अरविंद सरोज, हरेंद्र यादव, राहुल पटेल, नवनीत यादव, शिवबली यादव, मो. मसूद अंसारी, मो. मोब्बशिर, आनंद आदि रहे।

स्वरूपरानी से फरार कोविड संक्रमित कैदी बारह घंटे में गिरफ्तार

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के कोविड वार्ड से फरार हुए कैदी को कोतवाली पुलिस ने रविवार सुबह पुलिस हण्डिया हाइवे ओवर ब्रिज के समीप से गिरफ्तार किया। खोजने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निलंबित किए गए चारों सिपाहियों ने निभाया।

उक्त जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि सैदाबाद और हण्डिया के बीच हाईवे के समीप सूनसान स्थान पर खुले आसमान में जमीन पर लेट कर आराम कर रहा था। रविवार सुबह सूचना मिलते ही मामले में निलंबित किए गए चारों सिपाही, चैकी प्रभारी एस.आर.एन उपनिरीक्षक दयाराम और हमराही अंगद सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे और फरार केन्द्रीय कारागार नैनी के कैदी सुशील भारतीय पुत्र कल्लू भारतीय निवासी अनुवाद गांव थाना सराय ममरेज को हिरासत में लेकर पूंछतांछ कर रही है। कोविड संक्रमित होने की वजह से एम्बुलेंस से उसे पुलिस लेकर स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराने के लिए ला रही है। गौरतलब है कि उक्त कैदी एस.आर.एन कोविड से शनिवार को डाक्टरों एवं पुलिस कर्मियों को चमका देकर फरार हो गया। शनिवार को देर रात डाक्टरों ने पुलिस को सूचना दिया। कैदी के भागने की जानकारी होते ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीक्षित ने मामले में लापरवाही के आरोप में चार सिपाहियों को निलंबित कर दिया और कैदी की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित करके अतिशीघ्र गिरफ्तारी का निर्देश दिया था। फरार कैदी के खिलाफ कोतवाली थाने में मुकदमा भी दर्ज किया गया। हालांकि पुलिस अपने स्त्रोतों को सक्रिय करते हुए रात भर उसकी तलाश में दबिश देती रही।

डीएल और पैन कार्ड के लिए भी डाकघर में कर सकेंगे आवेदन

प्रयागराज। डीएल, पैन कार्ड, राशन कार्ड बनवाने के लिए अब डाकघर में भी आवेदन कर सकेंगे। लोगों की सुविधा के लिए इलाहाबाद डिवीजन के दस डाकघरों में कॉमन सर्विस सेंटर खोला जाएगा। प्रयागराज जिले में छह और कौशांबी के चार डाकघरों में यह सुविधा शुरू की जाएगी। इलाहाबाद डिवीजन के प्रधान डाकघर में कॉमन सर्विस सेंटर तीन-चार दिनों में खुल जाएगा। डाकघरों में कॉमन सर्विस सेंटर खुलने से जनसेवा केंद्रों और साइबर कैफे वालों की ओर से आवेदन करने की मनमानी फीस लेने पर अंकुश लग जाएगा। डीएल, पैन कार्ड, राशन कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र और खतौनी के लिए निर्धारित शुल्क रहेगा। सीनियर पोस्टमास्टर आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कॉमन सर्विस सेंटर खोलने का निर्णय लिया गया है इससे आमजन को सहूलियत तो मिलेगी ही डाक विभाग को भी आर्थिक लाभ मिलेगा।

ऑक्टा की आमसभा बैठक में अनुपम आनन्द को श्रद्धांजलि

प्रयागराज। आक्टा के सामान्य सभा की बैठक ऑक्टा अध्यक्ष डॉ. एस.पी सिंह की अध्यक्षता में ऑनलाइन गूगल मीट पर हुई। बैठक आक्टा कार्यकारिणी के चुनाव के संदर्भ में बुलाई गई थी।

बैठक में सीएमपी महाविद्यालय के हिन्दी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और ऑक्टा के वरिष्ठ सदस्य डॉ. अनुपम आनंद के आकस्मिक निधन पर शोक प्रकट किया गया। डॉ. एसपी सिंह, डॉ. उमेश प्रताप सिंह, डॉ. राम पाल गंगवार, डॉ. धीरज चैधरी, डॉ. आरपी सिंह ने डॉ. अनुपम आनंद के संदर्भ में अपने संस्मरण सुनाए। कहा गया कि आक्टा परिवार इस संकट की घड़ी में उनके परिवारजनों के साथ है।

सभी सदस्यों ने उनकी याद में दो मिनट का मौन रखा।

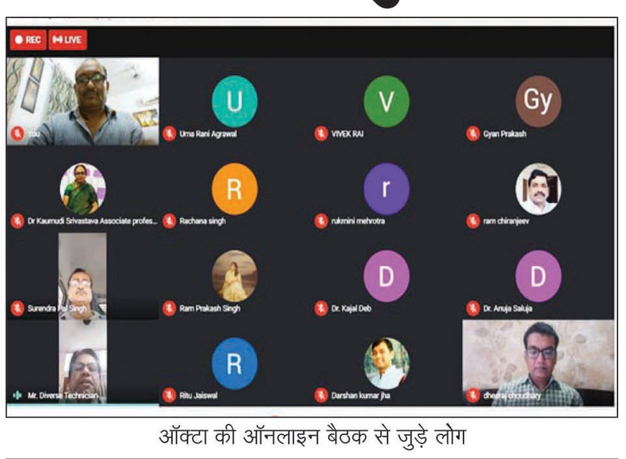

ऑक्टा की ऑनलाइन बैठक से जुड़े लोग

बैठक में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से कार्यकारिणी की बैठक में हुए निर्णय का समर्थन किया। निर्णय लिया गया कि कोरोना संक्रमण को देखते हुए वर्तमान में स्थितियां चुनाव के अनुकूल नहीं है। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह में कार्यकारिणी की बैठक में चुनाव के संदर्भ में दोबारा विचार किया जाएगा। बैठक का संचालन महासचिव डॉ. उमेश प्रताप सिंह ने किया। बैठक में उपाध्यक्ष डॉ. रेखा रानी, पूर्व अध्यक्ष डॉ. आरपी सिंह, डॉ. राम पाल गंगवार, डॉ. वेद प्रकाश, डॉ. संध्या पांडे, डॉ. एस.पी श्रीवास्तव, डॉ. अमित पांडे, डॉ. मीना राय, डॉ. इंदु गोयल, डॉ. अरविंद मिश्रा, डॉ. आशीष मिश्रा सहित सभी महाविद्यालयों के अनेक शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे कोविड -19 महामारी से सभी मोर्चों पर संघर्षरत

प्रयागराज। संपूर्ण राष्ट में माल और यात्रियों के निर्बाध परिवहन को सुनिश्चित करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के कर्मी अथक प्रयास कर रहे हैं। आवश्यक परिवहन सेवाओं को बनाए रखने के अलावा, उत्तर मध्य रेलवे ने कोविड -19 महामारी से प्रभावी तरीके से लड़ने के लिए चिकित्सा संबंधी आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और संसाधनों को बढ़ाने हेतु कई प्रयास किए हैं।

फेस कवर और सैनिटाइजर उत्पादन से आगे बढ़ते हुए, उत्तर मध्य रेलवे ने अपने आंतरिक प्रयासों से लगभग 12000 कवरआल तैयार किए हैं। दिनांक 05.09.20 तक हमारे चिकित्सकों और अन्य फ्रंट-लाइन कर्मचारियों को नोवेल कोरोना महामारी के संबंध में आवश्यक ज्ञान से लैस करने के क्रम में स्वच्छता और सूचना, शिक्षा और संचार (क्एउ) हेतु कुल 600 औपचारिक और अनौपचारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तर मध्य रेलवे में आयोजित किए गए हैं। रेल कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और रेलवे चिकित्सा सेवाओं के अन्य लाभार्थियों की स्क्रीनिंग तेज कर दी गई है; और दिनांक 05.09.2020 तक 05 अलग-अलग क्लीनिकों में बुखार और कोविड -19 जैसे लक्षणों वाले 12800 व्यक्तियों की जांच की गई है।

कोविड -19 उपचार सुविधाओं के लिए रेलवे कोविड -19 चिकित्सालय यानी मंडल रेल चिकित्सालय झाँसी और केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज

दोनों में आधारभूत संरचना को सुदृढ़ कर और संसाधनों को बढ़ाते हुए, डॉक्टरों और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ में आवश्यक वृद्धि के साथ लेवल -2 कोविड -19 केयर सेंटर में अपग्रेड किया गया है, इससे लेवल -2 उपचार की सुविधा के कुल 200 बेड जुड़ गए हैं। माह अगस्त -2020 में, लेवल -2 चिकित्सा की आवश्यकता वाले कुल 187 मरीजों को इन चिकित्सालयों में सेवा प्रदान की गई। इसमें से केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज में 148 और रेलवे चिकित्सालय झांसी में 39 मरीजों को भर्ती किया गया। झांसी मंडल चिकित्सालय के कोविड -19 देखभाल वार्ड में सुविधाओं में सुधार करते हुए 20 आईसीयू फाउलर बेड, 06 स्टेटिक वेंटिलेटर, एक्सक्लूसिव एक्स रे मशीन, 20 वाटर डिस्पेंसर और 01 नए वाटर कूलर उपलब्ध कराए गए हैं। कोविड -19 वार्ड में संसाधनों के अलावा केंद्रीय चिकित्सालय प्रयागराज के गैर-कोविड भाग में, 07 आईसीयू बेड और ट्राइएज वार्ड में 05 बेड, गैर-कोविड रोगियों की सुचारु चिकित्सा सुनिश्चित करने के लिए प्रदान किए गए हैं। कोविड -19 प्रसार को रोकने के लिए सभी कार्यस्थलों पर स्क्रीनिंग, सेनिटेशन, सोशल डिस्टेंसिंग आदि जैसी मानक व्यवस्थाएं करने के अलावा तीनों मंडलों यानी प्रयागराज, झांसी और आगरा में मुख्य नियंत्रण कक्ष के समानांतर स्टैंडबाई कंट्रोल रूम को स्थापित किया गया है ताकि, यदि कोविड -19 के कारण सेनिटेशन हेतु यदि मुख्य नियंत्रण कक्ष में कार्य निलंबन की स्थिति आए तो निर्बाध ट्रेन संचालन सुनिश्चित किया जा सके। ये कंट्रोल रूम ट्रेन संचालन गतिविधियों को संभालने के लिए सभी संचार और नियंत्रण उपकरणों से सुसज्जित किया गये हैं। इस महामारी के खिलाफ यात्रियों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने हेतु नए नवाचार गैर किराया राजस्व विचार योजना के तहत प्रयागराज जंक्शन एवं कानपुर सेंट्रल स्टेशनों पर कोविड -19 सेफ्टी किट बिक्री केंद्र, झांसी और ग्वालियर स्टेशनों पर मास्क, सैनिटाइटर इत्यादि के लिए कियॉस्क और आगरा और मथुरा स्टेशनों पर बैगेज स्कैनिंग एवं रैपिंग सुविधा प्रदान की गई है।

सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने पर प्रयागराज रेंज में हुआ 2453 मुकदमे दर्ज

प्रयागराज। प्रयागराज आईजी केपी सिंह ने बताया कि कोविड-19 के खतरे को देखते हुए प्रयागराज रेंज में सघन चेकिंग अभियान चलाकर लोगों को मास्क लगाने और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अगस्त में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न करने वालों के खिलाफ धारा 188 के तहत रेंज में कुल 2453 मुकदमे दर्ज किए गए, जिसमें प्रयागराज में 2228, कौशांबी में 46, फतेहपुर में 66, प्रतापगढ़ में 113 मुकदमे हुए हैं। इसी तरह प्रयागराज में 24462 गाड़ियों का चालान कर 35,20,600 रुपया शुल्क वसूल किया गया। इसी तरह मास्क ना लगाने पर प्रयागराज में 51697 लोगों से 62 लाख रुपया जुमार्ना वसूल किया गया। आईजी ने बताया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक भड़काऊ पोस्ट करने वालों की निगरानी की जा रही है। अगर कोई भड़काऊ मैसेज ट्वीट करता है तो उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कार्रवाई की जाएगी। अगस्त महीने में प्रयागराज रेंज में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर 35 मुकदमे दर्ज किए गए।

बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद को आर्थिक मदद करने वालों पर भी सरकार की नजर हुई टेढ़ी

प्रयागराज। योगी सरकार की नजरें पूर्व बाहुबली सांसद अतीक अहमद तथा उनके रिश्तेदारों की अवैध तरीके से अर्जित की गई संपत्तियों पर तो बुलडोजर चल ही रहा था कि अब योगी सरकार बाहुबली सांसद को आर्थिक मदद करने वालों की भी तलाश करने में जुट गई है। पूर्व बाहुबली सांसद इन दिनों गुजरात के अहमदाबाद जेल में बंद हैं। खुफिया एजेंसी से जानकारी मिलने के बाद अतीक की आर्द्रथक रूप से मदद करने वालों के बारे में छानबीन शुरू कर दी गई है। जल्द ही उन लोगों के खिलाफ शिकंजा कसेगा। पुलिस अतीक और गैंग के सदस्यों के खिलाफ कई स्तर पर कार्रवाई कर रही है। ज्यादातर करीबी और मददगार इस वक्त अलग-अलग जेल में बंद हैं। पूर्व सांसद और उसके छोटे भाई पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ के बैंक खाते भी सीज हैं। इसके बावजूद अतीक के परिवार और रिश्तेदारों के भौतिक सुख-सुविधाओं में कमी नहीं दिखी। इस बिदु पर जब खुफिया एजेंसी के अधिकारियों ने पड़ताल की तो चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी। पता चला कि करेली, नवाबगंज और धूमनगंज में रहने वाले तीन ऐसे शख्स हैं, जो अतीक के फाइनेंसर हैं। जमीन के अवैध धंधे से मिलने वाली रकम पूर्व सांसद के घरवालों तक पहुंच रही है। इतना ही नहीं, जिनके नाम पर जमीन बैनामा कराई गई थी, उसे भी चोरी-चोरी बेचा जा रहा है। अब पुलिस तीनों युवकों की गतिविधि पर नजर रखते हुए जानकारी जुटा रही है। ताकि साक्ष्य मिलते ही कार्रवाई की जा सके। खास कारिंदे संभाल रहे साढू इमरान जैसे कई खास कारिंदे अतीक का मैनेजमेंट अभी भी संभाल रहे हैं। वह नए-नए युवकों को अपने साथ जोड़कर अलग-अलग तरीके से काम करवा रहे हैं, ताकि पुलिस को इसकी भनक न लग सके। नए गुर्गों को मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर भी पाबंदी लगाई गई है। छानबीन में पुलिस को यह भी पता चला है कि कौशांबी के कई शख्स अतीक और उसके गुर्गों की हर तरह से मदद करते हैं। इसमें अशरफ की ससुराल हटवा गांव के भी कुछ युवक हैं, जिनके बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। अभी तक कई के नाम ट्रेस भी कर लिए गए हैं। इस प्रकरण में आईजी जी के पी सिंह का कहना है कि माफिया अतीक से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हर शख्स के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उनके विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अपने ही प्रोफेसर की अर्हता तिथि तय नहीं कर पा रहा इविवि

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्व विद्यालय में नियमित कुलपति के लिए इंटरव्यू के बाद सर्च कमेटी ने भले ही पांच लोगों का पैनल मंत्रालय को भेज दिया हो, लेकिन इंटरव्यू में चयनित इविवि से जुड़े एक शिक्षाविद की अर्हता को लेकर संशय बरकरार है। शिक्षा मंत्रालय को 10 दिन के भीतर ही इविवि को अपने ही एक प्रोफेसर के संबंध में तीसरी बार जवाब भेजना पड़ा है। उक्त प्रोफेसर की अर्हता पर दो अलग-अलग जवाबों से असंतुष्ट शिक्षा मंत्रालय ने इविवि प्रशासन से तीसरी बार विस्तृत जवाब मांगा है। इविवि प्रशासन ने तीसरी बार शिक्षा मंत्रालय को जवाब भेज दिया है।

ज्ञात हो कि इविवि में स्थायी

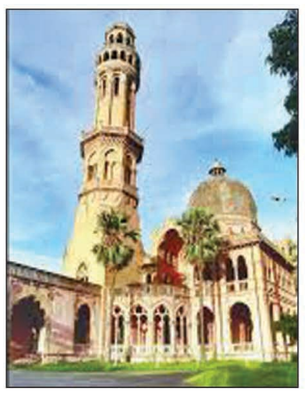

कुलपति के लिए देशभर से कुल 413 शिक्षाविदों ने आवेदन किया था। सर्च कमेटी ने स्क्रीनिंग के बाद 15 शिक्षाविदों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया। इसमें इविवि से जुड़े चार शिक्षक शामिल थे। इनमें से एक शिक्षाविद् की अर्हता पर कुछ लोगों ने शिक्षा मंत्रालय से आपत्ति दर्ज कराई थी। मंत्रालय ने उस शिक्षक के साथ साक्षात्कार के लिए चयनित सभी 15 दावेदारों की शैक्षिक अर्हता सम्बन्धी अभिलेख तलब कर लिया। इविवि की तरफ से 24 अगस्त को भेजे गए जवाब में बताया गया कि जिस शिक्षक पर आपत्ति है उनका प्रोफेसर पद पर चयन कॅरियर एडवांसमेंट स्कीम (कैस) के तहत वर्ष 2015 में अर्हता तिथि के अनुसार किया गया। पत्र में यह स्पष्ट किया गया था कि यह अर्हता तिथि एक जनवरी 2009 है, जो कुलपति द्वारा गठित अर्हता तिथि समिति द्वारा तय की गई थी। इस पर कुलपति ने अपनी मंजूरी भी दी थी। लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने 27 अगस्त को भेजे गए पत्र में अर्हता तिथि को 29 सितंबर 2010 बताया। मंत्रालय ने तीसरी बार 28 अगस्त को भेजे पत्र में अर्हता तिथि समिति की 13 दिसम्बर 2018 को रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि शिक्षक के पूर्व अनुभव को कार्य परिषद ने 20 दिसम्बर 2018 को मंजूरी दी। इसके अलावा इसी दिन परिषद ने प्रस्ताव पारित कर शिक्षक की अर्हता तिथि एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर पद के लिए एक जनवरी 2006 और एक जनवरी 2009 तय कर दी। मंत्रालय ने कहा कि अपने नए जवाब में विश्वविद्यालय ने कार्य परिषद की 20 दिसम्बर 2018 की बैठक में लिए गए निर्णय का जिक्र नहीं किया। मंत्रालय ने इस मसले पर विस्तृत जवाब तलब किया है। इविवि सूत्रों की मानें तो विश्वविद्यालय प्रशासन ने जवाब भी भेज दिया है।

जो भी मंत्रालय की ओर से जानकारी विश्वविद्यालय से मांगी जाती है, उसका समुचित जवाब विवि मंत्रालय को भेज देता है। हालांकि मंत्रालय को अर्हता के संबंध में कितनी बार जवाब भेजा गया है, इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है। अर्हता के संबंध में मंत्रालय ने जो जवाब मांगा है, उसे भेज दिया गया है।
-डॉ. शैलेंद्र मिश्र, इविवि पीआरओ

मांगो को लेकर धरना प्रदर्शन के चौथे दिन प्रधानों ने जताया रोष

हनुमानगंज। ब्लाक बहादुरपुर के परिसर मे अखिल भारतीय पंचायत परिषद् उ0प्र0 के वैनर तले प्रधान संघ ने चौथे दिन अपने छः सूत्री माँग को लेकर धरना प्रदर्शन में अपनी आवाज बुलंद किया। और साशन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे बाजी की चौथे दिन भी कोई अधिकारी प्रदर्शन कारियों का ज्ञापन लेने नहीं पहुँचा जिससे नाराज प्रधानों ने ग्राम पंचायतों की कार्यवाही व कार्ययोजना रजिस्टर का दहन कर रोष जताया। और संघ के प्रदेश सचिव सत्येन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि पंचायत राज एक्ट के अनुसार शासन द्वारा कार्य न कराए जाने को लेकर प्रधान संघ अपनी माँग को लेकर अब माननीय उच्च न्यायलय का शरण लेगा। धरना प्रदर्शन के चौथे दिन अध्यक्षता प्रधान राम मूर्ती यादव ने किया। प्रधानों कि मूलतः समस्या ग्राम पंचायतों के शासना देशानुसार महत्वपूर्ण योजना कायाकल्प के अंतर्गत जो कार्य परिषदीय विद्यालयों मे कराए गए हैं जिसका भुक्तान वर्षों से नहीं होपाया है। जिसके चलते हम प्रधानों को काफी जलालत झेलनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायतों कि खुली बैठक में प्रस्तावित एवं स्वीकृत अति महत्वपूर्ण कार्य जो ग्राम पंचायतों की कार्य योजना में प्राथमिकता पर है उन कार्यों को कराने पर शासन ने पूरी तरह से रोक लगा दी है। जिससे ग्राम पंचायतों की स्वायत्तता पर प्रश्न चिन्ह लगता है अतः जनहित में उक्त कार्यों पर लगी रोक को अतिशीघ्र वापस लिया जाए सहित छः सूत्री माँग को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया

चौथे दिन धरना प्रदर्शन कर रोष जताते प्रधान संघ

है। जिसमें प्रदेश सचिव सत्येन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि जब तक हमारी माँग को साशन प्रशासन नहीं सुनेगा यह धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। और मांगे पूरी न होने पर प्रधान संघ अब माननीय उच्च न्यायलय का शरण लेगा। इस दौरान संघ के जिला अध्यक्ष विजय सिंह पटेल, आशीष जायसवाल, राजकुमार प्रजापती, सुनील कुस्वाहा, प्रकाश चन्द्र मिश्र, अरविंद, अर्जुन, रंजीत सहित कई प्रधान मौजूद रहे।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक
स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

क्रियायोग सन्देश

प्रयागराज | सोमवार, 7 सितम्बर, 2020

सच्चे राजनीतिज्ञ के लिए आहार ...

राष्ट्र निर्माण में लगे प्रत्येक व्यक्ति को क्रियायोग का पूरी भक्ति से अभ्यास करना चाहिए। इस स्थिति में राष्ट्र में शान्ति की स्थापना होगी और राष्ट्र का बहुमुखी विकास होगा।

सच्चे राजनीतिज्ञ के लिए आहार का नियम

राजनीति में सक्रिय सभी लोग जिन्हें शान्ति और सम्पन्न राष्ट्र बनाने की इच्छा है उन्हें क्रियायोग सिद्धान्त के अनुरूप आहार–विहार पर ध्यान देना चाहिए। इस अंक में कुछ संक्षिप्त नियमों का वर्णन किया जा रहा है। आगे के अंकों में इस पर विस्तार से चर्चा होगी।

मानव का मुख्य आहार : परमात्मा का प्रकाश

''मनुश्य केवल अन्न से जीवित नहीं रहेगा, बल्कि ईश्वरीय के मुख से उच्चारित प्रत्येक श्ब्द से ही जीवन धारण करेगा।''
– मैथ्यू 4:4 (बाइबिल)

मानव का मुख्य आहार परमात्मा का प्रकाश है जो परमात्मा के मुख से प्रकट होता है । मानव स्वरूप में सिर के पिछले भाग में स्थित मेडुला परमात्मा का मुख है जहाँ ईश्वरीय प्रकाश कूटस्थ के रूप में स्थित है और फिर यही प्रकाश 24 तत्वों (चित्त, अहंकार, बुद्धि, मन, 10 इन्द्रियाँ, 5 तन्मात्राएँ, 5 पँचीकृत स्थूल तत्व) के रूप में प्रकट होता है । सिर से पैर की अँगुली तक मनुश्य का दृश्य रूप 24 तत्वों का ही प्रकाश है । मानव का दृश्य अस्तित्व परब्रह्म के प्रकाश का घनीभूत रूप है । यह परब्रह्म की अलौकिक उपस्थिति है। मानव का मुख्य आहार बाह्य भोजन– अन्न, फल, जल, वायु आदि ही नहीं बल्कि परमात्मा का प्रकाश है ।

परमात्मा के प्रकाश को शस्त्रों में परमात्मा का हुकुम, श्ब्द, आत्मधन, कस्तूरी, ब्रह्मनाद, ओम, सूर्य आदि रूपों में वर्णित किया गया है। परमात्मा का प्रकाश जिसे बाइबिल में श्ब्द कहा गया है, ही पैर की अँगुली से सिर तक स्वरूप के रूप में प्रकट हो रहा है।

"And the Word became flesh and dwelt among us, and we beheld His glory, the glory as of the only begotten of the Father, full of grace and truth." - (John 1:14 Bible)

श्ब्द को ही बाइबिल में पवित्रात्मा (Holy Spirit) कहा गया है जो मानव स्वरूप में सर्वव्यापी परम प्रकाश (कूटस्थ) के रूप में विद्यमान है ।

"In the beginning was the Word, and the Word was with God, and the Word was God. The same was in the beginning with God. All things were made by him; and without him was not any thing made that was made. In him was life; and the life was the light of men. And the light shineth in darkness; and the darkness comprehended it not." - (John 1:1,2,3,4,5 Bible)

क्रियायोग साधना के द्वारा मेडुला में प्रवेश करने वाले दिव्य ईश्वरीय प्रकाश से संयुक्त होने पर साधक बिना बाह्य भोजन, पानी आदि के भी शरीर को पूर्ण चौतन्य, शक्तियुक्त अवस्था में बनाये रखने की क्षमता प्राप्त कर लेता है । वह ठोस आहार के सहारे कम बल्कि सूक्ष्म ईश्वरीय प्रकाश के सहारे जीवन व्यतीत करने का ज्ञान प्राप्त कर लेता है ।

मनुश्य का शरीर केवल अन्न से ही नहीं, बल्कि ब्रह्माण्ड में व्याप्त स्पन्दनशील महाप्राण (ओम, ब्रह्मनाद, षब्द, कूटस्थ चौतन्य) से जीवित है । यह अदृश्य महाशक्ति परमात्मा के मुख अर्थात् सिर के पिछले भाग में स्थित मेडुला के द्वारा शरीर में प्रवेश करती है और सप्त ज्ञानकेन्द्रों में इकट्ठा होते हुए पूरी शरीर में प्रवाहित होती है ।

मानव स्वरूप के सिर व रीढ़ में ईश्वरीय प्रकाश सूक्ष्म ज्ञान तरंगों के रूप में प्रवाहित होता रहता है तथा यही प्रकाश सिर व रीढ़ में सप्त ज्ञानकेन्द्रों के रूप में प्रकट होता है। सिर व रीढ़ में स्थित सप्त ज्ञानकेन्द्र परब्रह्म का अलौकिक प्रकाश है। सिर व रीढ़ में प्रवाहित होने वाली ज्ञानधाराएँ अन्तःकरण में गंगा, यमुना व सरस्वती का स्वरूप हैं । इन ज्ञानधाराओं में स्नान करने पर साधक परम निर्मल अवस्था (निर्विकार अवस्था) की प्राप्ति कर लेता है।

क्रियायोग साधना के द्वारा सिर व रीढ़ में प्रवाहित होने वाले सूक्ष्म ज्ञान प्रवाह से संपर्क स्थापित होने पर साधक परमात्मा के प्रकाश के सहारे जीवन व्यतीत करने का ज्ञान प्राप्त कर लेता है । सिर व रीढ़ में स्थित सप्त ज्ञानकेन्द्रों को बाइबिल में सात चर्च, सात दीपक और सात तारों के रूप में वर्णित किया गया है । सिर व रीढ़ में स्थित सप्त ज्ञान केन्द्रों का सुशुप्त रूप सात चर्च तथा इनका जागृत रूप सात दीपक है । सप्त ज्ञानकेन्द्रों के पूर्ण जागृत होने पर सूक्ष्म जगत की अनुभूति को सप्त तारों के रूप में वर्णित किया गया है ।

FOOD FOR TRUE POLITICIANS...

Each and every representative or leader should be true practitioner of Kriyayoga Meditation. In this condition alone, there will be a peaceful and prosperous nation.

All politicians who are having a real desire of peaceful and prosperous nation should follow the principles and philosophy of food habit based on Kriyayoga Science.

Some of these principles are given below:

Vegetarian Food Dietary Points:

It is stated in the Bible that the main diet of Human is The Light of God:

" But he answered and said, "It is written:
'A man does not live by bread alone, but by every word that proceeds from the mouth of God.' " - Matthew 4:4 (Bible)

The main diet of human is the Light of God that proceeds from the Mouth of God. The medulla which is situated at the posterior surface of head is the Mouth of God where the Light of God is present in the form of Kuthastha Consciousness. The Light of God is manifested as 24 elements (Chitta, ego, wisdom, mind, ten indriyas, five tanmatras, five gross elements). The visible human form is constituted of the 24 elements and is the condensed form of all creations of Cosmos. Our form is the manifestation of God. The external source of nutrition for humans is not just grains, fruits, water and air that humans intake, but essentially the Light of God.

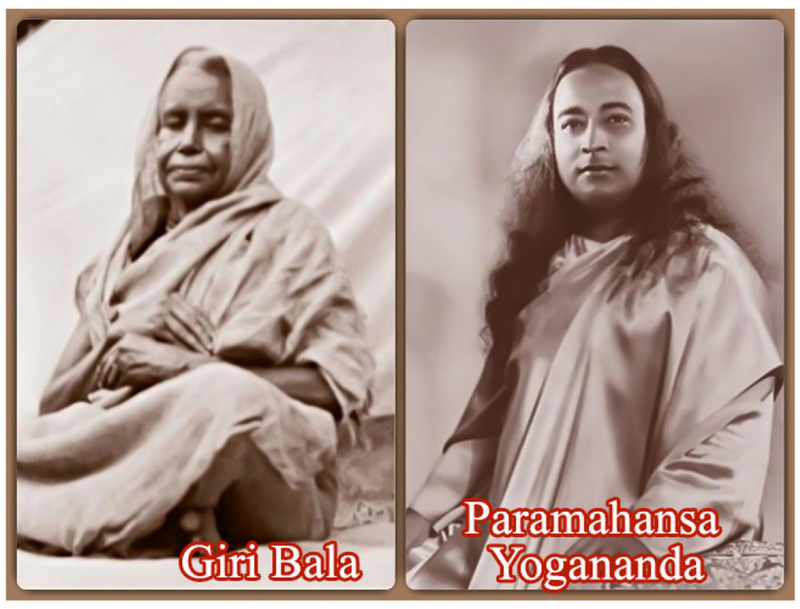

The light of God has been described in the Scriptures as "Will of God" (hukum), "Word of God" (shabd), "Soul Riches" (Atma - dhan), "Kasturi" , "Brahmanaad" , "Aum" , "Sun within" , "Kundalini power" and "Intuition" etc.

In The Bible, the Light of God has been referred to as "Word" which manifests each moment in the form of head to toes.

"And the Word became flesh and dwelt among us, and we beheld His glory, the glory as of the only begotten of the Father, full of grace and truth." - John 1:14 (Bible)

During Kriyayoga Meditation, "Word" is perceived as vibration in the form of subtle sounds which is heard clearly when ears are closed. "Word" has also been known as Holy Spirit which is present in humans as Omnipresent Consciousness (Kuthastha).

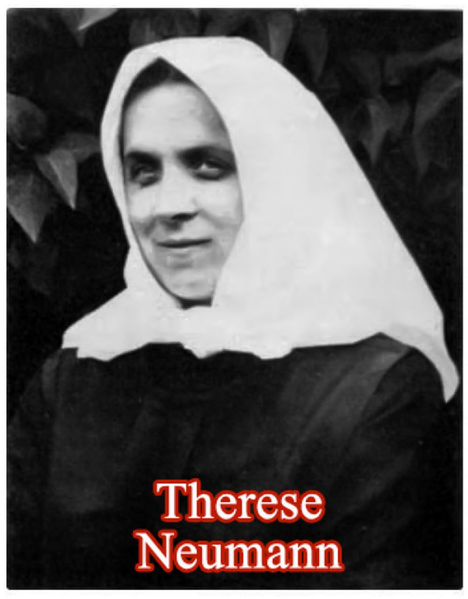

With the practice of Kriyayoga Meditation, when a practitioner unites with the Divine Light of God that enters the medulla, the practitioner is capable of keeping the body in a perfectly conscious and invigorated state without requiring the intake of any external food or water. In fact, the practitioner attains knowledge of the true art of living more so through the subtle Light of God than with any gross diet. In the history of saints of Kriyayoga, various saints have demonstrated the unique example of living by the Light of God. The non-eating woman saint of India, Giri Bala, and Therese Neumann of Germany are the renowned examples of non-eating saints. The incarnation of Lord Krishna and Jesus Christ – Sri Sri Paramahansa Yogananda, has written in detail in "An Autobiography of a Yogi" of how the Saints, Giri Bala and Therese Neumann, were able to maintain perfectly alive and conscious state of the body through the practice of Kriyayoga Meditation, without any food and water.